

Ex. प्रह्लामरमौली रत्नोपलङ्गते  
जातप्रतिविम्बा शोणा मणिमाला ।  
गोविन्दपदाब्जे राजी नखराणा-  
मास्तां मम शिते ध्वान्तं शमयन्ती ॥

### 13 Syllables in a verse ( अतिजगती ).

#### प्रहर्षिणी

त्र्याशाभिर्मनजरगाः प्रहर्षिणीयम्

Sch. --- | ◡ ◡ ◡ | ◡ - ◡ | - ◡ - | -  
( 3. 10 )

Ex. गोपीनामधरसुधारसस्य पानै-  
रुत्तुंगस्तनकलशोपगूहनैश्च ।  
आश्चर्यैरपि रतिविधर्मैरुरारेः  
संसारे मतिरभवत् प्रहर्षिणीयम् ॥

See Sis. VIII. ; Kir. VII.

#### रुचिरा

( Also called प्रभावती )

अभौ सजौ गिति रुचिरा चतुर्ग्रहेः

Sch. ◡ - ◡ | - ◡ ◡ | ◡ ◡ - | ◡ - ◡ | -  
( 4. 9 )

Ex. अभूषुषो विबुधसखः परंतपः  
भुतान्वितो दशरथ इन्दुदाहतः ।  
गुणैर्वरं भुवनहितच्छलेन यं  
सनातनं पितरमुपागमत्स्वयम् ॥ Bt. i. 1.

See Sis. XVII.

#### मत्तमखूर

वेदैरधैर्मनौ यसगा मत्तमयूरः

Sch. --- | --- ◡ | ◡ --- | ◡ ◡ - | -  
( 4. 9 )

Ex. हा तातेति क्रीदितमाकर्ण्य विषण्ण-  
स्तस्याम्बिष्यन् वेतसगूः प्रभव सः ।  
शल्यप्रेतं वीक्ष्य सकुम्भं मुनिपुत्रं  
तापादंतःशल्यं दबासीत् क्षितिपोऽपि ॥  
R. ix. 75.

#### मंजुभाषिणी

( Also named सुवर्दिनी )

सजसा जगौ च यदि मंजुभाषिणी ॥

Sch. ◡ ◡ - | ◡ - ◡ | ◡ ◡ - | ◡ - ◡ | -

Ex. अमृतोमिशीतलक्रेण लालय-  
स्तनुकातिरोचिनविलोचनी हरे ।  
नियतं कलानिधिरसीति बल्लवी  
मुदमच्छते व्यधित मंजुभाषिणी ॥

See Sis. XIII.

#### कुटजा

सजसा भवेदिह सगौ कुटजाख्यम्

Sch. ◡ ◡ - | ◡ - ◡ | ◡ ◡ - | ◡ ◡ - | -  
( 6. 7. )

Ex. कुटजानि वीक्ष्य शिखिभिः शिखरीद्रम्  
समयावनौ घनमदभ्रमराणि ।  
गगनं च गीतनिनदस्य गिरोच्चैः  
समया वनौघनमदभ्रमराणि ॥

Sis. VI. 73.

#### चंद्रिका

ननततगुरुभिर्भेद्रिकाऽभर्तुभिः

Sch. ◡ ◡ ◡ | ◡ ◡ ◡ | --- ◡ | --- ◡ | -  
( 7. 6 )

Ex. इह दुरधिगमैः किञ्चिदेवागमैः  
सततममुतरं वर्णयन्त्यंतरम् ।  
अमुमातिविपिनं वेद दिग्यापिनं  
पुरुषमिव परं पश्योनिः परम् ॥ Kir. v. 18 .

### 14 Syllables in a verse ( शकरी ).

#### असंबाधा

मो गो गो नौ मः शरनवभिरसंबाधा

Sch. --- | --- ◡ | ◡ ◡ ◡ | ◡ ◡ - | -  
( 5. 9 )

Ex. वीर्याग्नौ येन ज्वलति रणवशात् क्षिते  
दैत्येन्द्रे जाता धरणि रियमसंबाधा ।  
धर्मस्थित्यर्थं प्रकटिततनुसंबंधः  
साधूनां बाधां प्रशमयतु स कंसारिः ॥

#### वसंततिलक

( Also named वसंततिलका, सिंहोद्धता, सिंहोच्च-  
ता, उद्धर्षिणी and इंदुवदना )

त्रैयं वसंततिलकं तभजा जगौ गः